वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 147 | रविवार 24 सितम्बर 2023 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

वसुंधरा राजे बोलीं-राजस्थान से कहीं नहीं जाऊंगी

आपकी सेवा करूंगी, आपके साथ रहूंगी; मैं जाति नहीं मानती, जाति केवल महिला-पुरुष ही है

जयपुर. शाबाश इंडिया

पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने कहा कि आपकी इस अटूट शक्ति की वजह से मैं राजस्थान से कहीं नहीं जाऊंगी। आपकी सेवा करूंगी, आपके साथ रहूंगी। आपकी आवाज आपके साथ उठाने में कोई कमी नहीं रखूंगी। आपकी शक्ति, आपका साथ, आशीर्वाद बना हुआ है। यह इतना मजबूत है कि जो कोई भी तोड़ने की कोशिश करेगा, टूटेगा नहीं। राजे शनिवार को सिविल लाइंस बंगले पर महिलाओं को संबोधित कर रही थीं। वसुंधरा ने कहा- मैं जहां भी जाती हूं, यही कहती हूं। मैं जाति को तो मानती नहीं हूं। जाति केवल दो ही हैं। एक पुरुष जाति, जिनको साथ लेकर चलते हैं। दूसरी महिला जाति जो हमारी खुद की है। अगर राजस्थान में आप हमारी जाति की गिनती करें तो आधी शक्ति हमारी महिलाएं हैं।

नारी शक्ति का प्रवाह महिला विरोधी सरकार को बहा ले जाएगा

राजे ने कहा- मोदी जी ने महिला आरक्षण बिल के माध्यम से यह स्पष्ट किया है कि मातृ शक्ति की भागीदारी के बिना किसी भी राष्ट्र के नव निर्माण की कल्पना अधूरी है। यहां मौजूद महिलाओं का जोश देख कर यह तय है कि नारी शक्ति का यह प्रवाह राजस्थान की महिला विरोधी कांग्रेस सरकार को बहा कर ले जाएगा।

हर राजस्थानी के हक के लिए लड़ती रहूंगी

पूर्व सीएम ने कहा- रक्षा सूत्र यूं तो कच्चा धागा है पर मजबूत और अटूट है। मेरे लिए सुरक्षा कवच है। इसमें राजस्थान की संपूर्ण महिलाओं की शक्ति है। जो मुझे हर मुश्किल को पार करने का हौसला देगा। प्रदेश वासियों की सेवा के लिए प्रेरित करता रहेगा। महाभारत में कृष्ण की अंगुली कट गई। द्रौपदी ने साड़ी फाड़कर कृष्ण की अंगुली पर बांधी। कृष्ण ने भी कौरवों से उसकी रक्षा की। मैं भी कृष्ण की प्रेरणा से आपकी सेवा करूंगी। हर राजस्थानी के हक के लिए लड़ती रहूंगी।

नया राजस्थान बनाएं

राजे ने कहा- यह धागा उसे ही बांधें जो इस धागे का धर्म निभाएं,जैसे भगवान कृष्ण। समाज रूपी बगीचा तब ही खूबसूरत दिखेगा।

जब उसमें सभी किस्मों के फूल समान भाव से खिलेंगे। अब मिलकर एक ऐसा राजस्थान बनाएं,जहां हमारी बेटियां बेखौफ अपना बचपन जी सकें। हमारी बहनें बिना किसी बाधा के अपने सपने पूरे कर सकें। हमारी माताएं सम्मान के साथ सिर ऊंचा करके चल सके।

स्कूल शिक्षा विभाग में डिजिटल नवाचारों पर मैराथन मंथन

प्रदेश की सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में अब साप्ताहिक टाइम टेबल से चलेगी स्मार्ट क्लासेज, शासन सचिव ने वीसी में दिए विशेष दिशा-निर्देश

जयपुर. कासं

प्रदेश के सरकारी सीनियर सैकेंडरी स्कूलों में सब्जेक्ट टीचर्स के पद रिक्त होने पर भी सभी विद्यार्थियों को स्मार्ट क्लासेज में मिशन ज्ञान के ई-लेक्र्स के माध्यम से एडवांस साप्ताहिक टाइम टेबल बनाकर प्रत्येक सोमवार से शुक्रवार तक का पढ़ाई कराई जाएगी। वहीं हर सप्ताह सोमवार, बुधवार और शुक्रवार को इन स्कूलों में प्रातः 8 से 9.30 बजे तक रेमेडियल क्लासेज भी लगाई जाएगी। इसके लिए स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा विशेष व्यवस्था की गई है। स्कूल शिक्षा विभाग के शासन सचिव नवीन जैन ने शनिवार को जयपुर में शिक्षा संकुल से प्रदेश में डिजिटल शिक्षा नवाचारों पर आयोजित राज्य स्तरीय वीडियो कांफ्रेंसिंग से जुड़े प्रदेशभर के शिक्षा अधिकारियों सीनियर सैकेंडरी स्कूल के संस्था प्रधानों और शिक्षकों से मिशन स्टार्ट और ई-एजुकेशन नवाचारों पर विस्तृत संवाद करते हुए इस बारे में विशेष निर्देश जारी किए। शाला दर्पण पोर्टल पर स्मार्ट क्लासेज के संचालन की मॉनिटरिंग के लिए विशेष मॉड्यूल बनाया गया है, इस पर सीनियर सैकेंडरी स्कूल के संस्था प्रधानों को प्रति सप्ताह का टाइम टेबल बनाकर एडवांस में अपलोड करना होगा। सभी संयुक्त निदेशकों, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी और अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयकों सहित सम्बंधित अधिकारियों को ई-एजुकेशन नवाचारों से जुड़ी हर गतिविधि की सख्त मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए।

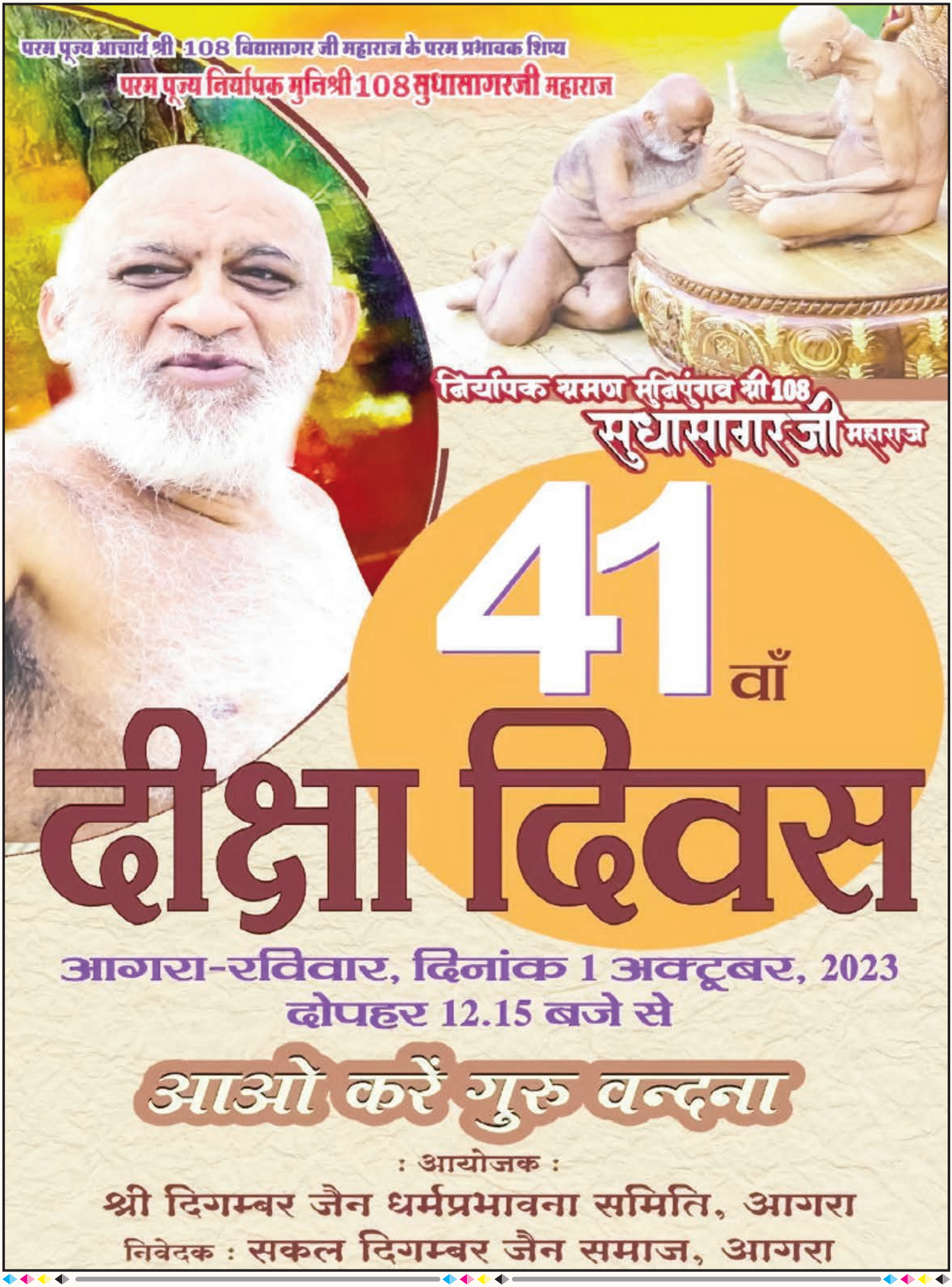
परम पूज्य आचार्य श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य
परम पूज्य निर्यापक मुनिश्री 108 सुधासागरजी महाराज
निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री 108
सुधासागरजी महाराज
41 वाँ
दीक्षा दिवस
आगरा-रविवार, दिनांक 1 अक्टूबर, 2023
दोपहर 12.15 बजे से
आओ करें गुरु वन्दना
: आयोजक :
श्री दिगम्बर जैन धर्मप्रभावना समिति, आगरा
निवेदक : सकल दिगम्बर जैन समाज, आगरा

।। श्री पार्श्वनाथाय नमः ।।

परस्परोपग्रहो जीवानाम्

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर, जय जवान कॉलोनी, जयपुर

सुगन्ध दशमी के पावन पर्व पर
रविवार, 24 सितम्बर 2023
को सायं 6.00 बजे से

जैन रामायण

जैन ग्रंथों पर आधारित

भव्य सजीव झांकी

मुख्य अतिथि –
श्री जितेन्द्र जी–रीटा जी गंगवाल एवं परिवार

उद्घाटनकर्त्ता
सेठ श्री सुशील कुमार जी रानीवाला एवं परिवार

दीप प्रज्ज्वलनकर्त्ता –
श्री रतनलाल जी कटारिया एवं परिवार

झांकी के पुण्यार्जक – श्री अजय जी–राखी जी गंगवाल • श्री भूपेन्द्र जी–अनिता जी जैन लदाना वाले • श्री रमेश जी–मंजू जी बाकलीवाल • श्री अशोक जी 'नेता'–अल्का जी गोधा श्री नरेन्द्र कुमार जी–मुन्ना देवी जी बैनाड़ा खटवाड़ा वाले • श्रीमती प्रभा देवी जी राजीव जी–कविता जी एवं श्रेय जी निगोतिया • श्री एकेन्द्र कुमार जी असीम जी जैन श्री निर्मल कुमार जी अक्षय जी छाबड़ा दूदू वाले • श्री राजेन्द्र कुमार जी मेहन्दी वाला परिवार • श्रीमती चित्रा जी राजीव जी रचित जी अमित जी बगड़ा श्री बिनोद कुमार जी सुमित जी ठेलिया • श्रीमती कान्ता देवी जी रश्मिकान्त जी अल्का जी सोनी • श्री सुधीर कुमार जी राहुल कुमार जी पाटनी दरोगा वाले

संयोजकः मृदुला पाटनी, सुमन ठोलिया, मीनू बगड़ा, श्रृद्धा कटारिया, कीर्ति जैन, मेहा बख्शी, रूपम लुहाड़िया, बरखा काला, सुरूचि जैन, सोनल जैन, पूजा जैन, प्रियंका चौधरी, राशि बगड़ा, दीप्ती जैन, कविता जैन, नेहा अजमेरा

मुख्य संयोजकः
संदीप–नीतू कटारिया, रजत–पलक जैन

सह–संयोजकः रूपिन काला, विशाल जैन, गौरव गोधा, नवीन पाटनी, पुष्पेन्द्र पाटनी, सिद्धान्त काला, निहित पाण्ड्या, सौरव अजमेरा, राजीव चौकड़ायत, लव लुहाड़िया, मोहित जैन, आलोक जैन

विशेष सहयोगः विजय चौधरी, अक्षय जैन, धर्मेन्द्र अजमेरा

सभी साधर्मी बन्धुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्मलाभ अर्जित करें।

श्री दिगम्बर जैन मन्दिर प्रबन्ध कार्यकारिणी

अशोक जैन 'नेता' – अध्यक्ष
भागचन्द जैन बाकलीवाल – उपाध्यक्ष
राजा मेंहदीवाला – मंत्री
राजेन्द्र पाण्ड्या – सह मंत्री
एकेन्द्र जैन – कोषाध्यक्ष

श्री पार्श्व युवा मण्डल

निखिलेश कटारिया – अध्यक्ष
अंकित बख्शी, प्रतीक लुहाड़िया – उपाध्यक्ष
अनुज बाकलीवाल – मंत्री
नितिन संघी – संयुक्त मंत्री
गौरव शाह – कोषाध्यक्ष
अनुराग जैन – संगठन मंत्री

त्रिशला महिला मण्डल

सुलेखा शाह – अध्यक्ष
चित्रा संघी – मंत्री
मन्जू जैन – कोषाध्यक्ष

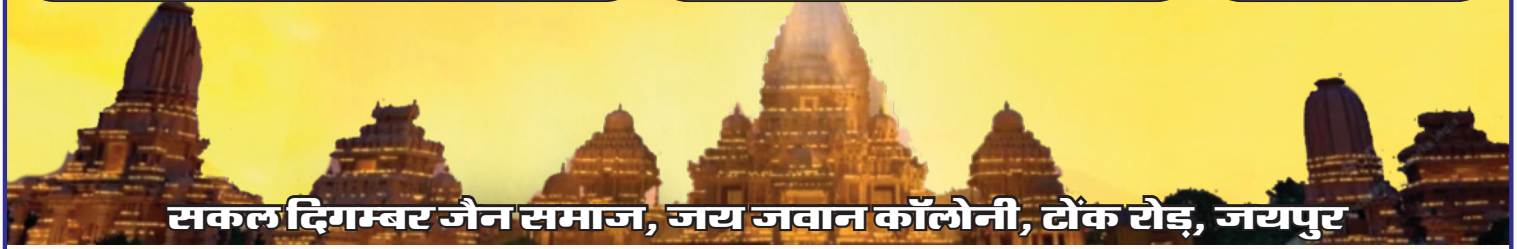

सकल दिगम्बर जैन समाज, जय जवान कॉलोनी, टोंक रोड़, जयपुर

AADITYA BATH
NBC NOTHING BEFORE COFFEE
mayanagri
SEPL Surbhi Electronet Private Limited

वेद ज्ञान

सच्चा अध्यात्म

जिस अध्यात्म से मनुष्य के मन को शांति मिले, वही सच्चा अध्यात्म है। मन की प्रसन्नता का हमारी शारीरिक सेहत से सीधा संबंध है। हम मानसिक तौर पर खुश रहते हैं तो हमारा शरीर भी स्वस्थ रहता है। इसलिए मनुष्य शरीरिक रूप से कितना ही कमजोर क्यों न हो, लेकिन उसे मानसिक रूप से परिपक्व होना चाहिए। मानसिक प्रसन्नता हमें आशावादी बनाती है और आशा हमें लक्ष्य के करीब लाती है। जब हमारे सपने मरते हैं तो जीवन के प्रति हमारा उत्साह-उमंग भी खत्म होने लगता है। फिर हमें कोई भी चीज अच्छी नहीं लगती और हम जीते जी अपने को मृत मान लेते हैं। हमें सोचना चाहिए कि जब हम अच्छा करेंगे तो अच्छा अनुभव होगा और जब हम कुछ गलत करेंगे तो उसका अनुभव बुरा ही होगा। जैसे व्यवहार की अपेक्षा हम दूसरों से करते हैं वैसा ही व्यवहार हमें भी दूसरों से करना चाहिए। स्वामी विवेकानंद के मुताबिक जो आत्मा मेरे भीतर है, वही तुम्हारे भीतर भी है और हर आत्मा में परमात्मा का वास है। हर आत्मा परमात्मा का मंदिर है। हर व्यक्ति को अपने अंदर ईश्वर की खोज करनी चाहिए, ऐसा करने से मनुष्य बुराइयों से अपने आप ऊपर उठ जाता है। जब मनुष्य अपने भीतर संतोष भाव जाग्रत करता है तो फिर उसे किसी अध्यात्म की आवश्यकता नहीं होती, क्योंकि तब उसे स्वतः ही प्रत्येक वस्तु और अवस्था में अध्यात्म प्राप्त हो जाता है। संतोष से बड़ा कोई धर्म नहीं है और असंतोषी के लिए कोई धर्म नहीं है। असंतोषी व्यक्ति को कितना ही क्यों न मिल जाए उसे हर चीज कम ही लगती है और उसे लगता है कि उसके साथ अन्याय हो रहा है। इसके विपरीत संतोषी व्यक्ति अपने परिश्रम से जितना प्राप्त करता है उसे ईश्वर का प्रसाद मानकर खुशी-खुशी ग्रहण करता है। मनुष्य के भीतर संतोष भाव पैदा हो इसलिए कहा गया है कि दोनों हाथों से कमाओ और सौ हाथों से लुटाओ। हर व्यक्ति का यह दायित्व है कि वह इस संसार को उतना तो अवश्य लौटा दे जितना उसने इससे लिया है। दूसरों के लिए जिया गया जीवन ही सच्चा जीवन है और यही मनुष्य के लिए सच्चा अध्यात्म भी है।

संपादकीय

व्यक्तिगत ब्योरों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से चिंता

अब जिस तरह डिजिटल व्यवस्थाओं पर निर्भरता बढ़ती गई है, उसमें व्यक्तिगत ब्योरों की सुरक्षा को लेकर लंबे समय से चिंता जताई जाती रही है। इसके मद्देनजर सरकार ने डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण अधिनियम 2023 पारित किया। हालांकि इसे लागू करना एक जटिल प्रक्रिया है, मगर अब सरकार ने धीरे-धीरे इसके नियमों को लागू करने की तैयारी कर ली है। इसके लिए विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधियों से चर्चा करने के बाद डेटा संरक्षण बोर्ड गठित करने सहित नियमों को अंतिम रूप दिया जा चुका है। सरकार ने कहा है कि कंपनियों को डेटा संरक्षण संबंधी अपनी व्यवस्था दुरुस्त करने के लिए एक साल का समय दिया जा सकता है। केवल 'एज-गेटिंग' में इन नियमों को लागू करने में कुछ अधिक समय लग सकता है। 'एज-गेटिंग' वह व्यवस्था है, जिसमें डिजिटल उपकरणों का इस्तेमाल करने वाले लोग आनलाइन कोई भी विवरण भरते हैं, तो उनके व्यक्तिगत ब्योरे वहां दर्ज हो जाते हैं। व्यक्तिगत डेटा

संरक्षण अधिनियम को काफी कठोर बनाया गया है, जिसमें नियमों का उल्लंघन करने वाले उद्योगों पर ढाई सौ करोड़ रुपए तक का जुमार्ना लगाया जा सकता है। अच्छी बात है कि यह कानून बनने के बाद सारे उद्योग उपभोक्ताओं के व्यक्तिगत ब्योरों के संरक्षण के प्रति गंभीरता दिखा रहे हैं। डिजिटल व्यक्तिगत ब्योरों के दुरुपयोग की शिकायतों पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि लोगों की निजता की सुरक्षा के उपाय तलाशे ही जाने चाहिए। उसके करीब छह साल बाद यह कानून अस्तित्व में आ पाया और अब उसके क्रियान्वन की प्रक्रिया शुरू हो रही है। दरअसल, तमाम विभागों और लोगों के जीवन से जुड़े जरूरी कामों को डिजिटल व्यवस्था से जोड़ने पर इसलिए जोर दिया गया कि कामकाज में आसानी हो, लोगों को बेवजह परेशानी न उठानी पड़े, प्रशासनिक और कारोबारी गतिविधियों में तेजी आए। मगर इस प्रक्रिया में व्यक्तिगत ब्योरों के संरक्षण के पुख्ता और भरोसेमंद उपाय लागू नहीं किए जा सके। इसका नतीजा यह हुआ कि बहुत सारे डिजिटल सेंधमार सक्रिय हो उठे और लोगों के व्यक्तिगत ब्योरे चुराने लगे। लोगों के निजी डेटा बेचने का कारोबार फलने-फूलने लगा। स्थिति यह है कि अब न तो आपका फोन नंबर निजी रह गया है और न मेल आइडी। दिन भर अनजाने लोग आपको फोन करके और संदेश भेज कर परेशान करते रहते हैं। यह तो फिर भी ज्यादा चिंता का विषय नहीं माना जा सकता, पर इसके जरिए सेंधमार आपके बैंक खातों और दूसरे निवेशों तक पहुंच बनाने लगे हैं। इस पर अंकुश लगाना बड़ी चुनौती है। दरअसल, विभिन्न संस्थान, विभाग और कंपनियां छोटे-मोटे कामों के लिए भी आपका व्यक्तिगत ब्योरा दर्ज करती हैं। हालांकि यह ब्योरा उनके डेटा तंत्र में दर्ज रहता है, मगर उसकी सुरक्षा का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं होता। ज्यादातर मामलों में एक बार व्यक्तिगत ब्योरा दर्ज होने के बाद उसकी कोई जरूरत नहीं रह जाती, इसलिए तमाम जगहों पर वे ब्योरे यों ही छोड़ दिए जाते हैं। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

कावेरी जल बंटवारा

कावेरी जल बंटवारे को लेकर वर्षों से चला आ रहा विवाद अब थम जाना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण एवं कावेरी जल नियमन समिति के उस आदेश में दखल देने से मना कर दिया है, जिसमें कर्नाटक सरकार को तमिलनाडु के लिए प्रति दिन पांच हजार घनमीटर पानी छोड़ने की बात कही गई है। तमिलनाडु ने सूखे का हवाला देते हुए बहत्तर सौ घनमीटर पानी मांगा था। समिति ने उसकी मांग को जायज तो माना, पर दूसरे राज्यों का भी खयाल रखते हुए पानी की मात्रा घटा कर पांच हजार घनमीटर कर दी। बाद में कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण ने भी यही फैसला दिया। तमिलनाडु इस फैसले पर राजी है, लेकिन कर्नाटक में इसके खिलाफ असंतोष पैदा हो गया है। राज्यभर में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने प्रधानमंत्री से हस्तक्षेप की मांग की है। कर्नाटक सरकार ने जिस प्रकार यह मुद्दा फिर केंद्र के समक्ष उठाया और अपने नागरिकों की नाराजगी का हवाला देकर प्रस्तावित पानी देने में असमर्थता जताई है, उससे यह विवाद खत्म होता नहीं दिख रहा। दशकों से यही हो रहा है। दक्षिण की गंगा कही जाने वाली कावेरी के जल को चार राज्यों- कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल और पुदुच्चेरी के बीच बंटवारे को लेकर समय-समय पर बैठकें हुईं, समितियां बनीं, उच्चतम न्यायालय द्वारा आदेश पारित हुए, पर विवादों का अंत नहीं हो पाया। तमिलनाडु और कर्नाटक के बीच कावेरी जल विवाद आजादी से पहले से चला आ रहा है। इसे लेकर केंद्र सरकार ने 1990 में कावेरी नदी जल विवाद न्यायाधिकरण का गठन किया था। इस न्यायाधिकरण ने जैसे ही तमिलनाडु को पानी देने संबंधी फैसला सुनाया तो दंगे भड़क उठे, क्योंकि कर्नाटक ने इस निर्णय को अस्वीकार कर सर्वोच्च न्यायालय में इसे खारिज करने की मांग उठा दी। दोनों ही राज्यों के कई जिले सिंचाई के लिए कावेरी नदी के पानी पर निर्भर हैं। बंगलुरु शहर को पीने का पानी इसी से मिलता है। इसलिए यह मुद्दा दोनों ही राज्यों के लिए संवेदनशील बना हुआ है। वैसे, संघीय व्यवस्था वाले भारत में दो या अधिक राज्यों से होकर बहने वाली नदियों के पानी के बंटवारे को लेकर विवाद कोई नई बात नहीं है। जल संकट बड़ी समस्या है, ऐसे में हर राज्य चाहता है कि उसे अधिक से अधिक पानी मिले। यही वजह है कि कावेरी के अलावा कृष्णा, गोदावरी, नर्मदा, रावी, ब्यास और यमुना जैसी नदियों के पानी को लेकर विभिन्न राज्यों के बीच खींचतान अक्सर सुर्खियों में रहती है। महत्त्वाकांक्षी नदी जोड़ो परियोजना में इन विवादों से छुटकारा दिलाने की संभावना देखी गई थी, लेकिन यह परियोजना भी पिछले दो दशक में अपेक्षित गति नहीं पकड़ पाई है। पानी को लेकर हिंसा, विरोध प्रदर्शन या राजनीतिक शह-मात से कुछ भी हासिल नहीं होने वाला। समस्या का समाधान एक-दूसरे से सहयोग और समन्वय में ही निहित है। उच्चतम न्यायालय जब यह कह रहा है कि कावेरी जल प्रबंधन प्राधिकरण एवं कावेरी जल नियमन समिति जैसी विशेषज्ञ संस्थाओं ने सूखे और कम बारिश जैसे सभी प्रासंगिक पहलुओं पर विचार करने के बाद ही आदेश पारित किया है और दोनों प्राधिकरणों ने जिन तथ्यों पर गौर किया है, उन्हें अप्रासंगिक या असंगत कतई नहीं कहा जा सकता, तो फिर कर्नाटक को इस फैसले पर अमल से गुरेज क्यों करना चाहिए।

|| श्री पार्श्वनाथाय नमः ||
श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर
जय नगर, केसर चौराहा, मुहाना मण्डी रोड, मानसरोवर, जयपुर
भव्य सजीव झांकी
रविवार दिनांक 24.09.2023
अहिंसा परमो धर्म :
देख तमाशा लकड़ी का
झांकी संदर्भ
जीते भी लकड़ी, मरते भी लकड़ी, देख तमाशा लकड़ी का,
क्या जीवन क्या मरण, कबीरा, खेल रचाया लकड़ी का,
क्या राजा क्या रंक मनुष संत, अंत सहारा लकड़ी का,
कहत कबीरा सुन भई साधु, ले ले तम्बूरा लकड़ी का,
जीते भी लकड़ी मरते भी लकड़ी, देख तमाशा लकड़ी का ।।
झांकी उद्घाटनकर्ता
समाज श्रेष्ठी
श्रीमान् शैलेन्द्र जी-मनीषा जी
श्रीमान् संजय जी-खुशबू जी जैन
झांकी दीप प्रज्जवलनकर्ता
समाज श्रेष्ठी
श्रीमान् नरेन्द्र जी-मीना जी
अंशुल जी-समता जी
षष्टांश, गर्वित जैन
झांकी उद्घाटन एवं दीप प्रज्जवलन
समय : सांय 5.30 बजे
विशिष्ट अतिथि
श्री पुष्पेन्द्र भारद्वाज
समाज सेवक एवं जन प्रतिनिधि,
सांगानेर विधानसभा क्षेत्र
झांकी संयोजक : विनीत-विजेता छाबड़ा, जितेन्द्र-प्रियंका जैन, विनोद-प्रियंका पाटनी, भूपेन्द्र-रितु जैन, मोहित-आकांक्षा जैन, हेमन्त-सरिता जैन, कमलेश-कविता जैन, संजय-पूनम सेठी, प्रद्युम्न-अर्चना जैन, नरेश-सोनिया जैन, सुशील-शालू बाकलीवाल, अरूण-अतिका जैन, तरूण-रूबी जैन, प्रवीण-किरण पाटनी, अशोक-सुमन जी जैन (खेड़ली वाले), नीलेश-स्वाति जैन, पुखराज-वर्षा जैन, मनीष-श्वेता बाकलीवाल, भागचन्द-रेखा जैन, अनिल-रंजना जैन, अक्षय-श्वेता अजमेरा, क्षमा जैन एवं समस्त जैन समाज, केसर चौराहा
भोजन सहयोगकर्ता (सामूहिक गोठ)
समाज श्रेष्ठी श्रीमान् महावीर जी-मोना जी, मोनू जी-पूजा जी, गौरव जी-साक्षी जी, मयूर जी-सोनल जी, भरत, तिलक कासलीवाल
आगामी कार्यक्रम
बुधवार दिनांक 27.09.2023
केसरिया पार्श्वनाथ लीग
(KPL)
शुक्रवार दिनांक 29.09.2023
कौन बनेगा धर्मानुरागी
(सीजन 2)
KAUN BANEGA CROREPATI
रविवार दिनांक 1.10.2023 सम्मान एवं पुरस्कार वितरण, सामूहिक क्षमावाणी एवं गोठ समय दोपहर 1 बजे से
सभी साधर्मी बन्धुओं से निवेदन है कि अधिक से अधिक संख्या में पधारकर धर्मलाभ अर्जित करें।
निवेदक : श्री केसरिया पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर कार्यकारिणी समिति, केसर चौराहा, जयपुर
एवम् सकल दिगम्बर जैन समाज, केसर चौराहा, जयपुर
अध्यक्ष :
महावीर कासलीवाल मो. 9828011027
मंत्री :
नरेश जैन मो. 9414056487
MNP ELECTRONICS
Kesar Circle, 22 Iskon Road, Near Kesar Hotel, Mansarowar, Jaipur
Mob : 9782038786, 9982428386
MNP ELECTRONICS KESAR CIRCLE
SAREES, SUITS, JEWELLERY MATCHING CENTRE
SHREE PADMAWATI SAREES
OPP HP PETROL PUMP, NEAR GOVT. SCHOOL, ISKON ROAD, MANSAROWAR, JAIPUR

रोगी सुरक्षा जागरूकता सप्ताह में हुआ पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन

डॉ मधु काबरा एवं डॉ हिमिशा नाग माथुर की टीम प्रथम

अजमेर. शाबाश इंडिया

मित्तल हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर अजमेर में मनाए जा रहे रोगी सुरक्षा सप्ताह के तहत गुरुवार को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर डॉ मधु काबरा एवं डॉ हिमिशा नाग माथुर की टीम, द्वितीय स्थान पर श्रीमती कविता शर्मा व श्रीमती वंदना हिरानी भार्गव की टीम तथा तृतीय स्थान पर सुनीता उदयगरिया व गुड्डी की टीम विजेता रही। मित्तल हॉस्पिटल के चिकित्सक, प्रबंधन के अधिकारी, कर्मचारी, एमसीएन, एमओपीएल, एमडीपीएल, मित्तल चैंबर्स के टीम सदस्य और बी लाल लैब के पंजीकृत सदस्यों सहित कुल 31 जनों ने 2 की टीम या व्यक्तिगत रूप से 21 पोस्टर्स हेतु भागीदारी की। प्रतियोगिता का निर्णय महिला एवं बाल विकास विभाग की उप निदेशक श्रीमती तारामती वैष्णव एवं नगर निगम अजमेर की उपायुक्त लक्ष्मी गहलोत ने की। श्रीमती वैष्णव और गहलोत ने प्रतिभागियों की ओर से बनाए गए पोस्टरों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रोगी सुरक्षा विषय पर एक से बढ़कर एक बनाए गए पोस्टरों को बहुत ही गहनता से परखना पड़ा। विजेताओं का निर्णय ले पाना बहुत मुश्किल लग रहा था। उपायुक्त गहलोत ने कहा कि मित्तल हॉस्पिटल रोगी सुरक्षा जागरूकता सप्ताह मना रहा है निश्चित ही यह बहुत ही प्रशंसनीय कार्य है। इससे स्टाफ अच्छे काम के लिए प्रेरित होता ही है साथ ही साथ रोगियों को भी हॉस्पिटल में भर्ती रहते अच्छी केयर उपलब्ध होती है। इससे पूर्व मित्तल हॉस्पिटल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एस के जैन ने निर्णायकों को अभिनन्दन किया और प्रतियोगिता के विषय में जानकारी दी। इस मौके पर डिप्टी जनरल मैनेजर विजय रांका, अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉ दीपक अग्रवाल, नर्सिंग अधीक्षक राजेन्द्र गुप्ता उपस्थित थे। निदेशक सुनील मित्तल, डॉ दिलीप मित्तल और मनोज मित्तल ने विजेताओं को बधाई दी।

राधा निकुंज दिगम्बर जैन मंदिर में सुगंध दशमी पर द्रोणगिरी सिद्ध क्षेत्र की विशालकाय भव्य झांकी

जयपुर. कासं। सुगंध दशमी पर द्रोणगिरि सिद्ध क्षेत्र की विशालकाय भव्य झांकी राधा निकुंज दिगम्बर जैन मंदिर में नवयुवक मंडल द्वारा रविवार 24 सितम्बर को लगाई जायेगी। झांकी संयोजक रवि रांवका, सुदेश गोदिका, अभिषेक शाह, कपिल जैन, मानव जैन, अंकित श्रीमाल, मनीष पाटनी, अनुज जैन, पीयूष जैन, उमंग जैन, रुपेश जैन, नितेश जैन, आशीष जैन, विपुल जैन, अतुल जैन, विनोद अजमेरा, आदि जैन, अर्पित जैन, राहुल जैन, अभिषेक गोधा ने बताया कि सिद्ध क्षेत्र द्रोणगिरि, जिला छतरपुर, मध्यप्रदेश में स्थित हैं ऐसी भव्य झांकी में त्रिकाल चौबीसी का भव्य मंदिर एवम् 24 तीर्थंकरों के चरण बनाए जाएंगे साथ ही 15-20 फिट ऊँचा मानस्थम्भ मुख्य आकर्षण का केंद्र रहेगा। झांकी उद्घाटन कर्ता समाज श्रेष्ठि शैलेन्द्र - मनीषा एवं झांकी दीप प्रज्वलन कर्ता समाज श्रेष्ठि राजेश - निशा रहेंगे। झांकी दर्शन का समय सायं 5.30 बजे प्रारम्भ होगा।

जैन भवन काठमांडू में अखण्ड णमोकार महामंत्र जाप हर्षो उल्लास के साथ सम्पन्न

काठमांडू, नेपाल. शाबाश इंडिया। जैन धर्म और जैन समाज की प्रभावना के लिए कटिबद्ध संस्था सामूहिक जिनेन्द्र आराधना संस्था नेपाल शाखा के संयोजन में जैन भवन काठमांडू में अखण्ड णमोकार महामंत्र का जाप भव्य रुप से आयोजन किया गया। नेपाल शाखा के अध्यक्ष सुभाष-अनिता जैन सेठी ने बताया कि अखण्ड जाप रात्रि में 7 बजे से प्रारम्भ होकर सुबह 6 बजे को सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर समन्वयक अशोक कुमार बोथरा, संयोजक मालचंद लूनिया, सुमित जैन, तरुण कोचर, प्रवीण चोरड़िया ने पूरी मेहनत और लगन से कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए पूरा सहयोग प्रदान किया। जाप कार्यक्रम में जैन समाज की उल्लेखनिय सहभागिता रही।सभी ने उत्साह उमंग के साथ जोर शोर से णमोकार के पाठ किए। मध्य रात्रि में जाप को सुव्यवस्थित तरीके से सम्पन्न करने के लिए एक विशेष टीम बनाई गई जिन्होंने बढ़ चढ़कर जाप में पूर्ण सहभागिता दर्ज कराई।

एम्बीशन किड्स में हेल्दी ग्रीन फन डे सेलिब्रेशन

जयपुर. शाबाश इंडिया

एंबीशन किड्स एकेडमी में शनिवार को ग्रीन फ्रूट तथा ग्रीन वेजिटेबल का महत्व समझाने के लिए हेल्दी वेल्थी ग्रीन फन एक्टिविटी का आयोजन किया गया । इस अवसर पर नन्हे बालक बालिकाओं ने ग्रीन वेजिटेबल एवं फ्रूट एक्टीविटी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया तथा नन्हे मुन्ने विभिन्न प्रकार की ग्रीन फ्रूट एवं ग्रीन वेजिटेबल साथ लेकर आए । जैसे - गौभी, लेडी फिंगर, पालक, शिमला मिर्च, लौकी, हरी मिर्च, खीरा, नींबू, नाशपाती, अमरूद आदि । कक्षा के जी के विभिन्न सहभागियों ने ग्रीन चिल्ली का महत्व बताने के लिए एक कविता प्रस्तुत की तथा कक्षा प्रेप में लेमन का महत्व समझाते हुए छात्रो ने बताया कि इसमें विटामिन सी होता है , जो हमारे शरीर के लिए अति आवश्यक है । संस्था प्राचार्या डॉ. अलका जैन ने बताया कि हरा रंग उन्नति और प्रकृति का प्रतीक होता है । सावन का आगमन भी प्रकृति को हरा-भरा कर देता है। प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर अनीता सक्सेना ने फल सब्जियों का महत्व बताते हुए कहा कि हमें सभी प्रकार की फल सब्जियों को भोजन में शामिल करना चाहिए जिससे हम हेल्दी बन सके और पर्याप्त मात्रा में हमें न्यूट्रिशन मिलता रहे जो हमारे शरीर व मानसिक विकास के लिए अति आवश्यक है। संस्था चेयरमैन डॉ. एम एल जैन मणि ने बच्चो को ग्रीन डे गिफ्ट दिए। अंतत : एकेडमी के निदेशक डॉ . मनीष जैन ने पर्यावरण को हरा भरा एवं सवच्छ रखने के संदेश के साथ सभी सहभागियों को आशीर्वाद दिया तथा स्टॉफ सदस्यों को इस प्रकार के आयोजन करने के लिए धन्यवाद दिया ।

एकेडमी के निदेशक डॉ . मनीष जैन ने पर्यावरण को हरा भरा एवं सवच्छ रखने के संदेश के साथ सभी सहभागियों को आशीर्वाद दिया

श्री चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर समिति (न्यास)
सेक्टर-10/156, मालवीय नगर, जयपुर
यक्ष रक्षित भूगर्भ जिनालय के दर्शन
भव्य झाँकी
रविवार 24 सितम्बर, 2023 • सायं 6.00 बजे से
शिरोमणी परम संरक्षक उत्तम कुमार पाण्ड्या
परम संरक्षक अकलंक जैन
हरकचन्द जैन अध्यक्ष
अनिल कुमार जैन महामंत्री
रामपाल जैन मंत्री
विजय कासलीवाल कोषाध्यक्ष
महिला मण्डल : संरक्षक – सरोज देवी पाण्ड्या, अध्यक्ष – कल्पना बैद, मंत्री – अनिता रांवका
व्यवस्था समिति सदस्य : नीरज लुहाड़िया, विमलेश राणा, लोकेश कुमार पाण्डया, कोर्णाक काला, पवन बोहरा, पीयूष बड़जात्या, मनीष पाटोदी, विकास कासलीवाल, अभिषेक तलेटिया

दस लक्षण पर्व में सत्य धर्म के दिन चार पांडुकशिला पर हुई एक साथ हुई शान्तिधारा

जयपुर. शाबाश इंडिया। जनकपुरी ज्योति नगर जैन मन्दिर में दस लक्षण महापर्व में शनिवार को अष्टमी के दिन धोती दुपट्टे पहने श्री जी के अभिषेक कताओं से भरे मन्दिर प्रांगण का अलग ही दृश्य था । प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला ने बताया की इस दिन चार पाण्डुकशिलाओं पर एक साथ ब्रह्मचारिणी सविता दीदी द्वारा बीजाक्षर युक्त शान्तिधारा वाचन कर करायी गई ।मण्डल पर शान्तिधारा शिखर चन्द जैन व सम्यक ग्रुप द्वारा की गई तथा इन्द्राणियों द्वारा चंवर ढुरा कर जिन भक्ति की गई । इसके बाद पुरुष वर्ग द्वारा मण्डल पर देव स्थापना की गई तथा भक्ति भाव के साथ सत्य धर्म की पूजन अर्थ समझते हुए की गई । दिन में तत्वार्थ सूत्र वाचन में करीब 50 - 60 श्रावकों की उपस्थिति रही । रविवार को विशेष मति माताजी के पावन सानिध्य में सुगंध दशमी का पर्व मनाया जाएगा ।

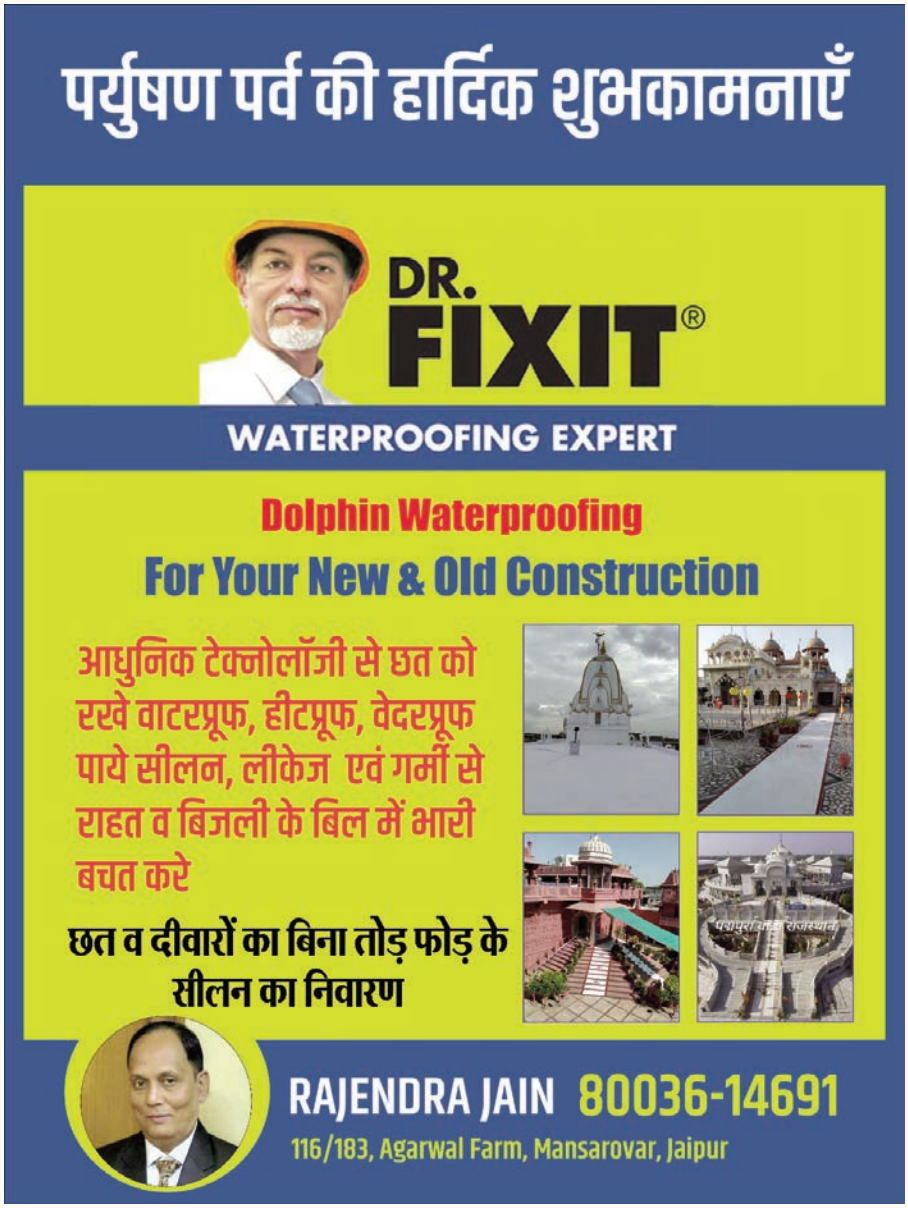

रिद्धि मन्त्रों के साथ हुआ 48 दीपक से संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान

जयपुर. शाबाश इंडिया

जनकपुरी ज्योतिनगर जैन मंदिर में दस लक्षण पर्व में शुक्रवार को शाम को जैन युवा मंच द्वारा रिद्धि मन्त्रों के साथ 48 दीपक से संगीतमय भक्तामर अनुष्ठान का आयोजन किया गया । युवा मंच के अध्यक्ष अमित शाह के अनुसार अनुष्ठान विद्यासागर यात्रा संघ के मनीष चोधरी एवम्-उनकी टीम द्वारा बहुत ही मधुर संगीत के साथ आचार्य मानतुंग रचित भक्तामर का वाचन रिद्धि मन्त्रों के साथ किया गया। इससे पूर्व चित्र अनावरण अरविंद प्रिया साखूनिया परिवार ने तथा दीप प्रज्ज्वलित विजय राकेश राजेंद्र ठोलिया परिवार ने किया। कार्यक्रम में राजस्थान जैन सभा के अध्यक्ष सुभाष पांड्या, मंत्री विनोद कोटखावदा, युवा महासभा अध्यक्ष प्रदीप जैन लाला, राज महसमिति के टोंक रोड सम्भाग के अध्यक्ष निर्मल सांघी सहित गणमान्य श्रेष्ठी पधारे जिनका तथा मनीष चौधरी एवं उनकी टीम का मन्दिर प्रबन्ध समिति अध्यक्ष पदम जैन बिलाला व पदाधिकारियो ने अभिनन्दन किया । समाज के सदस्यों से भरे मन्दिर प्रांगण में प्रत्येक मन्त्र के साथ भक्ति करते हुए एक एक परिवार द्वारा मण्डल पर दीपक चढ़ाये गए साथ ही आर्यिका विशेष मति माताजी संघस्थ दीदी सविता ने भी युवा मंच के सदस्यों के बीच दीप समर्पित किया ।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

पर्यूषण महापर्व (24 सितम्बर) छटवां दिन विशेष

उत्तम संयम : संयम एक प्रकार का आत्मानुशासन है

-डॉ. सुनील जैन संचय, ललितपुर

आज दशलक्षण धर्म का छटवाँ दिन है- उत्तम संयम धर्म। संयम का शाब्दिक अर्थ सम् + यम = संयम अर्थात् सम्यक रूप से यम अर्थात् नियंत्रण करना संयम है।

घोड़े को यदि लगाम न लगी हो तो घोड़ा बेकाबू होकर अपने सवार को किसी खड्डे में गिरा देता है, इसी तरह इन्द्रियों पर आत्मा यदि अँकुश न लगावे तो इन्दियाँ भी आत्मा को दुर्गति में डाल देती हैं। इस कारण अपनी इच्छाओं पर नियंत्रण लगाकर इन्द्रियों को अपने वश में रखना आवश्यक है। हम कह सकते हैं जैसे बिना ब्रेक के गाड़ी बेकार है ठीक उसी प्रकार बिना संयम के अमूल्य मनुष्य भव बेकार है। इसीलिये आगम में संयम का पालन मुनिराज और श्रावक दोनों के लिये वर्णित है। संयम ही जीवन का श्रृंगार है। मनुष्य संयम धारण कर सकता है, इसलिए समस्त जीवों में वह श्रेष्ठ है। जीवन रूपी नदी के लिए संयम धर्म का पालन करना जरूरी है। संयम को हम बंधन कह सकते हैं। लेकिन यह बंधन सांसारिक प्राणी के लिए दुखदाई नहीं वरन् दुखों से छुटकारा दिलाने वाला है। नदी बहती है पर तटों का होना जरूरी है। इसी प्रकार संयमी जीवन ही अपने अनंत सुखों को प्राप्त कर सकता है। संयम को धारण करने का हमें पूर्ण अधिकार मिला है लेकिन सांसारिक प्राणी पंचेन्द्रिय विषय के वशीभूत होकर इससे दूर भागते हैं। जिससे वह जीवन रूपी गाड़ी में सफल नहीं हो पाते हैं। संयम एक प्रकार का आत्मानुशासन है। लोग दूसरों पर शासन करना चाहते हैं ,लेकिन खुद अनुशासित नहीं हो पाते हैं । अच्छा शासन भी वही कर सकता है जो निज पर शासन करना जनता हो । हमें ईमानदारी से विचार करना है कि हम इन्द्रियों के दास हैं या इन्द्रियां हमारी दास हैं ? प्राणी और इन्द्रीय संयम के भेद से यह दो प्रकार का है। प्राणियों की रक्षा करना प्राणी संयम है। जबकि पंचेन्द्रिय विषयों से विरक्ति और मन की आकांक्षाओं पर नियंत्रण इन्द्रीय संयम है।

१- इन्द्रिय संयम – स्पर्शन, रसना , घ्राण , चक्षु और कर्ण इन पाँचों इन्द्रियों के 27 विषयों (स्पर्शन के 8, रसना के 5, घ्राण के 2 ,चक्षु के 5 , और कर्ण के 7) में प्रवर्तन पर नियंत्रण रखना इन्द्रिय संयम है क्योंकि पंचइन्द्रियों के विषयों का सेवन हम सुख की वांछा से करते हैं , पर विचार करें कि क्या हमें उनके सेवन से सुख मिलता है ? नहीं !! भ्रम से सुख का आभाष मात्र होता है , वो भी कुछ ही क्षणों के लिये। वास्तव में विषयों का सुख किंपाक फल के समान है , जो जीभ पर रखने पर तो मीठा लगता है , पर बाद में घोर दुख , महादाह , और संताप देकर मरण को प्राप्त कराता है , ठीक उसी प्रकार ये पंचेन्द्रिय के विषय जीव को बहुत आकर्षित करते है, लुभावने और मनमोहक लगते हैं , पर इनके फल में जीव अनंतकाल तक नरकों के घोर दुखों को सहन करता है।

डॉ. सुनील जैन संचय
ज्ञान-कुसुम भवन,नेशनल कान्वेंट स्कूल के सामने, गांधीनगर, नईबस्ती,ललितपुर 284403, उत्तर प्रदेश
मोबाइल, 9793821108
ईमेल- suneelsanchay@gmail.com
(आध्यात्मिक चिंतक व जैनदर्शन के अध्येता)

२- प्राणी संयम – निगोदिया जीव से लेकर पंचेन्द्रिय तक के समस्त जीवों की रक्षा करना प्राणी संयम है। जिस प्रकार अपनी आत्मा है उसी प्रकार अन्य जीवों के भी आत्मा है, जिस तरह हमको शारीरिक दुख होता है उसी प्रकार अन्य जीवों को भी शरीर की पीड़ा होती है। एकेन्द्रिय जीव पृथ्वी, पर्वत आदि पृथ्वीकायिक जीव, पानी ओला, ओस आदि जलकायिक जीव; आग, दीपक, बिजली आदि अग्निकायिक जीव; हवा, आंधी, यदि वायुकायिक जीव; वृक्ष, वेल, घास, झाड़ी, पौधे, फल-फूल, पत्ते आदि वनस्पतिकायिक जीव एकेन्द्रिय होते हैं। वे बोल नहीं सकते परंतु उनको भी दुख तो होता ही है। डॉ. जगदीशचन्द्र वसु प्रयोग करके बतलाते थे कि किसी पेड़ में यदि कील आदि नुकीली चीज चुभाई जाय तो वह पीड़ा से कांपता है। इस कारण बिना किसी प्रयोजन के न पृथ्वी, पहाड़ खोदना चाहिए, न पानी बिखेरना चाहिए न आग जलानी चाहिए न हवा करनी चाहिए और न फूल, पते, घास, डाली आदि तोड़नी चाहिए। लट, केंचुआ, जोंक आदि दो इन्द्रिय जीव हैं। चींटी, खटमल, जूं आदि कीड़े मकोड़े तीन इन्द्रिय जीव हैं। मक्खी, मच्छर, भौंरा, पतंगा आदि चार इन्द्रिय जीव होते हैं और पशु पक्षी, मनुष्य आदि पँचेन्द्रिय जीव हैं इन सब को त्रसकाय कहते हैं। इस सब जीवों को रक्षा भी उसी तरह करनी चाहिये जिस तरह कि अपने प्राणों की रक्षा की जाती है। इसको ही प्राणी-संयम कहते हैं। हम अपने क्षुद्र स्वार्थों को पूरा करने के लिये न जाने कितने जीवों की हिंसा प्रतिदिन करते हैं। जैसे अभक्ष्य भक्षण , रात्रि भोजन , सौन्दर्य के सामान आदि के लिये हम अनंत जीवों की हिंसा करते हैं। यदि हम चाहे तो इन इच्छाओं पर नियंत्रण करके आंशिक रूप से ही सही जीव दया का पालन कर संयम की रक्षा कर सकते हैं। जो एक सच्चे श्रावक को करना ही चाहिये। संयम के बिना हमारा जीवन बिना ब्रेक की कार की तरह है । कार में ब्रेक हो तो कार अन्यथा बेकार । उसी प्रकार जिसके जीवन में जरा सा भी संयम नहीं है उसका जीवन भी बेकार । सभी जन्मों में मनुष्य जन्म ही ऐसा जन्म है जिसमें संयम धारण करने की सामर्थ्य है। इसलिए हमें मनुष्य भव का उपयोग संयम धारण कर के कर लेना चाहिए । मानव आज दिन प्रतिदिन मयार्दायें तोड़ता जा रहा है । खानपान की मयार्दायें टूट रही हैं । अभक्ष्य , अस्पृश्य और मादक पदार्थ तक भोजन में सम्मिलित होने लगे हैं । तामसिक और चटपटी मसालेदार वस्तुयें ज्यादा रुचिकर लगती हैं । जो असंयम की पोषक , रागवर्धक तो होती ही हैं स्वास्थ्य के लिये हानिकारक भी होती हैं । तरह - तरह के पान मसाले , गुटखा , तम्बाखू आदि के दुष्परिणाम विभिन्न रोग (यहां तक कि केंसर आदि) के रूप में भी देखने में आ रहे हैं । अधिकांश सौंदर्य प्रसाधन की सामग्री हिंसात्मक तरीके से तैयार होती है। ऐसे इन काम भोगों का परिणाम समझते हुए हमें संयम अपनाने की प्रेरणा लेनी चाहिए।

जो इंद्रिय पर विजय प्राप्त कर लेता है, वह निर्वाण प्राप्त कर सकता है। हम अपने ये काम भोग क्षण भर सुख और चिरकाल तक दु : ख देने वाले हैं , बहुत दु : ख और थोड़ा सुख देने वाले हैं ,संसार से मुक्ति होने के विरोधी और अनर्थों की खान हैं ।

जाप्य : ॐ ह्रीं उत्तम संयम धर्माङ्गाय नमः।

दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा में उत्तम सत्य धर्म की पूजा की

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री दिगंबर जैन मंदिर चन्द्रप्रभ जी दुर्गापुरा, जयपुर में दशलक्षण महापर्व में दिनांक 23 सितंबर 2023 शनिवार को प्रातः 6.30 बजे मूल नायक श्री 1008 चन्द्रप्रभ भगवान जी के प्रथम अभिषेक शांतिधारा करने का पुण्यार्जन प्रकाश चन्द जैन श्रीमती मनोरमा जैन चांदवाड़ परिवार ने प्राप्त किया। दस लक्षण महा मण्डल पूजा के सोधर्म इन्द्र इंद्राणी राजेन्द्र कुमार शीला जैन काला रहे तथा महा आरती का पुण्यार्जन अर्जुन नगर फैमिली किट्टी परिवार ने प्राप्त किया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चन्द जैन चांदवाड़ एवं मंत्री राजेन्द्र कुमार जैन काला ने बताया कि उत्तम सत्य धर्म की विधानाचार्य पंडित दीपक शास्त्री के मंत्रोच्चार एवं संगीतकार पवन बड़जात्या एवं पार्टी की मधुर आवाज में उत्तम सत्य धर्म की पूजा भक्ति भाव से श्रद्धालुओं द्वारा की गई। महाआरती के पश्चात उत्तम सत्य धर्म पर श्री दिगम्बर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर की गरिमा व रीतिका जैन बालिकाओं ने प्रवचन किए। श्री दिगम्बर जैनाचार्य विद्या सागर पाठशाला दुर्गापुरा की संचालिका श्रीमती चंदा सेठी श्रीमती रिंकू सेठी ने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रम में जिन धर्म की महिमा नाटक मंचित किया गया। कार्यक्रम में कार्याध्यक्ष सतेन्द्र पांड्या, कोषाध्यक्ष विमल कुमार गंगवाल, उपाध्यक्ष सुनील कुमार जी संगही व नरेश बाकलीवाल, संयुक्त मंत्री महावीर प्रसाद बाकलीवाल, संगठन मंत्री दिलीप कुमार कासलीवाल, प्रचार मंत्री डॉ मनीष मणि, सांस्कृतिक मंत्री श्रीमती रेखा पाटनी व सदस्य नेमी जी निगोतिया, जयकुमार जैन, भाग चन्द जैन बाकलीवाल, आनंद अजमेरा सम्मिलित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जी सी जैन श्रीमती विशल्या देवी जैन व चन्द्रसेन श्रीमती देवकी पाटनी थे। कमल किशोर श्रीमती प्रेम जैन बड़जात्या ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पुरस्कार वितरण अजय शालिनी बज की ओर से हुआ।

सीकरी में विद्यासागर पाठशाला द्वारा हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

सीकरी. शाबाश इंडिया। जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म मनाया गया। समाज के मीडिया प्रभारी पुष्पेन्द्र जैन ने बताया कि सभी जैन अनुयायियों ने बड़े भक्ति भाव से उत्तम सत्य धर्म की पूजन की व शांतिधारा करने का सौभाग्य शिखरचंद दीपक जैन परिवार को प्राप्त हुआ। इससे पूर्व शुक्रवार रात्रि को जैन मंदिर में श्री विद्यासागर पाठशाला द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित हुए। पाठशाला के बच्चों ने सर्वप्रथम मंगलाचरण प्रस्तुत किया जिसके बाद एक बहुत ही शानदार नाटिका प्रस्तुत की गई जिसमें बताया गया कि जैन धर्म और इसकी संस्कृति बहुत प्राचीन है हमें आधुनिक संस्कृति को छोड़ जैन धर्म की संस्कृति को अपनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि 27 सितम्बर को भी पाठशाला के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। इस अवसर पर रीमा जैन, सीमा जैन, ममता जैन, रश्मि जैन, निकिता जैन आदि समाज के सभी पुरुष,महिला,युवा व बच्चे मौजूद रहे।

तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत का मनाया मोक्ष कल्याणक हर्षोल्लास से

सत्य के बिना व्यक्ति अपने जीवन के वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता: आर्यिका सुबोधमति

फागी. शाबाश इंडिया। कस्बे सहित परिक्षेत्र के चकवाड़ा, चौरु, नारेड़ा, मंडावरी,मेहंदवास, निमेडा एवं लदाना सहित सभी जिनालयों में जैन धर्म के नौवें तीर्थंकर पुष्पदंत भगवान का मोक्ष कल्याण हर्षोल्लास से मनाया गया जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया सभी जिनालियों में प्रात श्री जी का अभिषेक, शांति, एवं अष्टद्रव्यों पूजा के बाद पुष्पदंत भगवान का जयकारों के साथ सामूहिक से मोक्ष कल्याणक का निर्वाण लाडू चढ़ाकर सुख शांति और समृद्धि की कामना की गई। इसी कड़ी में पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में चल रहे दस दिवसीय सहस्त्रनाम जिन शासन विधान के भागचंद राजकुमार कासलीवाल फागी वाले पुण्यार्जक थे। तथा दोपहर में तत्वार्थ सूत्र के पांचवें अध्याय का वाचन किया गया और भरी धर्म सभा में उत्तम सत्य धर्म के बारे में आर्यिका श्री ने श्रृदालुओं को बताया कि सत्य के बिना व्यक्ति अपने जीवन के वास्तविक लक्ष्य को प्राप्त नहीं कर सकता, सत्य के अभाव में सफलता और शांति कभी प्राप्त नहीं होगी, सत्य जब आत्मा के सम्यक दर्शन के साथ होता है तब उत्तम सत्य धर्म कहलाता है।

श्री दिगंबर जैन महावीर स्वामी मंदिर सिद्धार्थ नगर में मांगी तुंगी जी की भव्य झांकी आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री दिगंबर जैन महावीर स्वामी खंडाकांन समिति के तत्वाधान में नवचेतना युवा मंडल द्वारा मांगी तुंगी जी की भव्य झांकी धूप दशमी के उपलक्ष में सिद्धार्थ नगर जैन मंदिर में लगाई जाएगी। सिद्धार्थ नगर में दस लक्षण महापर्व पर विभिन्न प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन समिति द्वारा किया जा रहा है प्रातः 7:30 बजे से साज बाज के द्वारा दस लक्षण विधान करवाया जा रहा है,जिसमें सोधर्म इंद्र पारस जैन आगरा वाले बने। आशीष जैन छाबड़ा महामंत्री ने बताया संध्या के समय महिला मंडल द्वारा विभिन्न प्रकार के धार्मिक कार्यक्रम कराए जा रहे हैं। झांकी समन्वयक पवन तेरापंथी एवं राजेश जैन ने जानकारी दी की तीन मंजिलों पर दो पहाड़ बना करके झांकी को कई गुफाओं के साथ में बनाया जा रहा है एक विशाल रूप में इस झांकी की प्रस्तुति होगी जहां साक्षात ऐसा लगेगा की मांगी तुंगी जी का पहाड़ दर्शन हो रहा है 20 फुट की आदिनाथ भगवान जी का फ्लेक्स लगाया जाएगा जो वहां की खड़कासन मूर्ति का आभास कराएगा । नवयुवक मंडल के अर्पित तेरापंथी, चिराग गंगवाल, अभिषेक जैन, समर्थ जैन, मोहित जैन ,आदेश पाटनी आदि सभी अपने हाथों से इस झांकी को अंजाम देने में पिछले चार दिनों से जुटे हुए हैं।

झांकी समन्वयक पवन तेरापंथी एवं राजेश जैन ने जानकारी दी की तीन मंजिलों पर दो पहाड़ बना करके झांकी को कई गुफाओं के साथ में बनाया जा रहा है

दसलक्षण पर्व महोत्सव में सुगंध दशमी आज

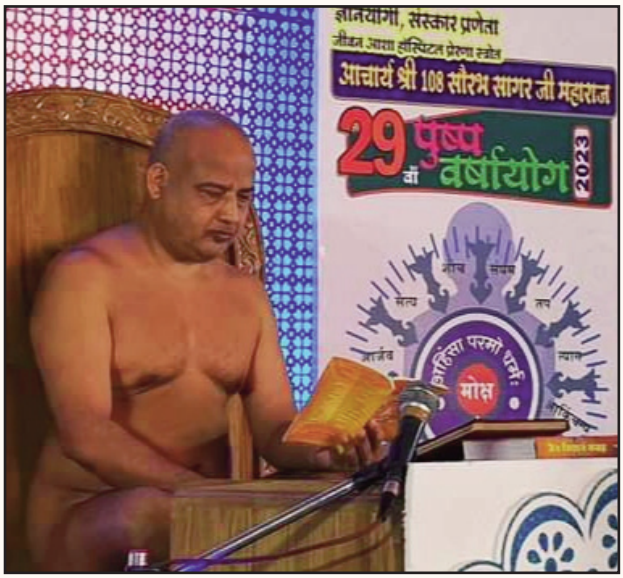

जैन मंदिरों खेई जायेगी धूप, मनाया जायेगा ''उत्तम संयम धर्म''

जयपुर. शाबाश इंडिया

शनिवार को जैन मंदिरों में दशलक्षण महापर्व के पांचवे दिन उत्तम सत्य धर्म पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया, इस अवसर पर प्रताप नगर सेक्टर 8 में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य एवं पं संदीप जैन सेजल के निर्देशन में प्रातः 6.15 बजे से जिनालय में विराजमान भगवान शांतिनाथ स्वामी के स्वर्ण एवं रजत कलशो से कलशाभिषेक किये। जिसमें 100 से भी अधिक श्रावकों ने श्रीजी का मंत्रोच्चारण के साथ कलश किए और अंत में पुण्यार्जक श्रेष्ठि परिवार द्वारा आचार्य श्री के मुखारविंद विश्व में शांति की कामना करते हुए शांतिधारा की गई। कार्याध्यक्ष दुर्गालाल जैन ने बताया की कालशाभिषेक और शांतिधारा के पश्चात प्रातः 7.15 बजे से मुख्य पांडाल में आचार्य सौरभ सागर महाराज के सानिध्य में दसलक्षण पर्व, उत्तम सत्य धर्म का संगीतमय विधानपूजन प्रारंभ किया गया और जल, चंदन, अक्षत, पुष्प, नेवेघ, दीप, धूप, फल, अर्घ के अष्ट द्रव्यों के भावों में धारण कर कर्मों की निर्जरा के अर्घ चढ़ाए। भजन, भक्ति के साथ जिनेन्द्र आराधना की। पूजन के दौरान आचार्य सौरभ सागर महाराज ने प्रातः 8.30 बजे सभा को संबोधित करते हुए अपने आशिर्वचनों में कहा कि सत्य की बुनियाद पर मोक्ष का महल टिका होता है, झूठ नींव पर तैयार होने वाले महल को धसने में देर नहीं लगती है, जिस प्रकार कभीसच्चाई छुप नहीं सकती, झूठे उसूलो से खुशबू आ नहीं सकती, कभी कागजो के फूलो से खुशबू नहीं सकती उसी प्रकार झूठे बोल बोलने से कामयाबी भी नहीं मिल सकती, सत्य होते हुए भी जो वचन अप्रिय हों वे असत्य की कोटि में आते है, कहा भी गया है कि - सत्य ब्रूयातु प्रियं ब्रूयातु नब्रूयातु सत्यमप्रियम। अर्थात जिन सत्य वचनो से दोस्तो की हिंसा हो उन वचनो को असत्य ही समझना चाहिए। हमेशा शास्त्रनुकूल वचन बोलने चाहिए, यदिस्वयं पालन न भी कर सकें तो भी वे ही वचन बोलने चाहिए जो सत्य हों। व्यवहार में बोले गए असत्य वचन भी सत्य ही होते है, जैसे कोई गेहूं पिसानेजाता है तो वह कहता है कि में आटा पिसाने जा रहा हु। असत्य बोलने वाले पर कोई विश्वास नहीं करता है और ना ही कोई साथ रखता है अतः सदैव सत्य की राह पर चलना चाहिए, यह असत्य केविरुद्ध सच्ची राह का निर्माण करता है, असत्य के खिलाफ स्थिर रहने की शक्ति प्रदान करता है इसे उत्तम सत्य धर्म कहा गया है। अखिल भारतीय दिगंबर जैन युवा एकता संघ अध्यक्ष अभिषेक जैन बिट्टू ने बताया की रविवार को जैन धर्म के अनुसार दशलक्षण पर्व का छठा दिवस उत्तम सयंम धर्म और सुगंध दशमी पर्व के रूप में श्रद्धा-भाव के साथ मनाया जायेगा। इस अवसर पर जयपुर के जैन मंदिरों में रविवार को सुबह से ही श्रद्धालुओ की भक्ति का जनसैलाब उमड़ने लगेगा, प्रातः 6.15 बजे से श्रावक श्रीजी के कलशाभिषेक, शांतिधारा कर पूजन करेगे और सुगंध दशमी के अवसर पर धूप खेरेंगे। साथ ही अतिशय क्षेत्र बाड़ा पदमपुरा में आचार्य चैत्य सागर महाराज, प्रताप नगर सेक्टर 8 में आचार्य सौरभ सागर महाराज, श्योपुर रोड़ जैन मंदिर प्रताप नगर में आचार्य विनीत सागर महाराज, बरकत नगर में आचार्य नवीन नंदी महाराज, आमेर में उपाध्यक्ष उर्ज्यंत सागर महाराज, बिलवा में आर्यिका नंगमती माताजी और जनकपुरी में आर्यिका विशेषमती माताजी के सानिध्य में उत्तम सयंम धर्म और सुगंध दशमी पर्व पर विशेष प्रवचन सभा होगी। सायंकालीन में जैन मंदिरों श्रीजी की मंगल आरती के साथ जगत में फैली असुगंध को हटाने के लिए श्रीजी के सम्मुख धुप खेरकर सुंगध फैलाई जाएगी। विभिन्न जैन मंदिरों में झांकियों का अवलोकन किया जायेगा।

क्षमा, नम्रता, ऋजुता, शुचिता का सत ही सम्बल है : गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी

गुंसी, निवाई. शाबाश इंडिया

श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी के इतिहास में प्रथम बार पर्वराज दस लक्षण महापर्व पर श्री दशलक्षण महामण्डल विधान का आयोजन चल रहा है। प्रातःकालीन अभिषेक , शान्तिधारा हेतु भक्तों का यहाँ मेला लगा रहता है । गुरु माँ के मुखारविन्द से शांतिप्रभु की अखण्ड शान्तिधारा करने का सौभाग्य महावीर बड़जात्या चौमूंबाग जयपुर , नीरज बाकलीवाल झिलाय , रमेश बड़जात्या मालवीय नगर जयपुर वालों को प्राप्त हुआ । साथ ही दशलक्षण विधान के पांचवें दिन उत्तम सत्य धर्म की पूजन कराने का सौभाग्य अनिल बनेठा जयपुर एवं अरविंद ककोड़ वाले निवाई वालों को प्राप्त हुआ। तत्पश्चात भागचंद लुहाड़िया वरुण पथ जयपुर वालों ने गुरु माँ के पाद प्रक्षालन एवं शास्त्र भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त किया। विधान के अंतर्गत भगवान पुष्पदन्त जी के मोक्ष कल्याणक के सुअवसर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाकर विशेष भक्ति कराई गई। आर्यिका विज्ञाश्री माताजी ने प्रवचन देते हुए कहा कि आज उत्तम सत्य धर्म हमें सत्य बोलने के साथ - साथ सत्य मार्ग पर चलने की भी शिक्षा देता है। क्षमा, नम्रता, ऋजुता, शुचिता का सत ही सम्बल है। राजा वसु ने न्याय की गद्दी पर बैठकर झूठ बोला था तो सातवें नरक में चला गया। रे मानव! पदाधिकारियों! सोचो आप दिन में कितने झूठ बोलते हो।

श्री पारसनाथ चालीसा पर नाटक का मंचन

नन्हे-मुन्ने बच्चों का जैन मिलन द्वारा किया गया सम्मान

मनीष विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। जैन मिलन मकरोनिया क्षेत्र क्रमांक 10 के द्वारा श्री चंद्र प्रभु दिगंबर जैन मंदिर आनंद नगर राजाखेड़ी में, मुनि श्री सुदत्तसागर जी महाराज एवं छुल्लक श्री चंद्र दत्त सागर जी महाराज कि प्रेरणा एवं आशीर्वाद से पाठशाला के बच्चों द्वारा श्री पारसनाथ चालीसा के ऊपर नाटक का मंचन किया गया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि वीर सुरेश जैन, वीर शैलेंद्र जैन कोठिया, वीर मनीष जैन विद्यार्थी, वीर रविंद्र जैन, वीर हेमचंद्र जैन, वीर निशिकांत सिंघई ,अजीत जैन बैंक द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। महावीर प्रार्थना के साथ ही नाटक का मंचन शुरू हुआ जिसमें श्री पारसनाथ भगवान के जीवन चरित्र पर आधारित सभी घटनाओं का सचित्र चित्रण किया गया। वीर सुरेश जैन अध्यक्ष जैन मिलन ने बताया कि इस नाटक में 20 पात्रों ने भाग लिया जिसमें पाठशाला के बच्चे एवं शिक्षिकाएं सम्मिलित थी, जिन्हें जैन मिलन द्वारा सभी को आकर्षित पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मंच संचालन वीरांगना मुक्ता जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर वीर सुरेश जैन अध्यक्ष, वीर हेमचंद जैन कार्यकारी अध्यक्ष, वीर अजीत जैन कार्यकारी अध्यक्ष, वीर रविंद्र जैन मंत्री, वीर निशिकांत सिंघई प्रचार मंत्री, वीर मनीष जैन विद्यार्थी मीडिया प्रभारी ,वीर शैलेंद्र जैन कोठी अध्यक्ष जैन मंदिर, वीर विजय जैन ,,वीर सचिन जैन, वीर सत्यम जैन, वीर शिवम जैन ,वीर कमलकांत जैन, वीर मुकेश जैन डीएमओ, वीर महेंद्र जैन वीर पीसी जैन, वीर वीरेंद्र जैन वीरांगना मुक्त जैन, रचना जैन स्वाति जैन, मोनिका जैन, रीता जैन ,आशा जैन प्रमुख रूप से उपस्थित थे कार्यक्रम के अंत में वीर रविंद्र जैन मंत्री एवं मीडिया प्रभारी मनीष विद्यार्थी द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म,गायत्री नगर, जयपुर में ''आहार चौका शुद्धि'' नाटिका का मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर महारानी फार्म,गायत्री नगर,जयपुर में, दस लक्षण पर्व के दौरान, पुलक मंच परिवार द्वारा महाराज,माताजी के लिए लगने वाले चौके/आहार की शुद्धता से सम्बंधित नाटिका ''आहार चौका शुद्धि'' का मंचन किया गया। आदिनाथ महिला मंडल के प्रचार मंत्री अनिता बडजात्या के अनुसार इस नाटिका में सासुओं द्वारा अपनी बहुओं को यह सिखाया गया कि किस प्रकार की सावधानी और शुद्धता रखनी चाहिये चौका लगाते समय। कार्यक्रम का शुभारंभ रिद्धि जैन के मंगलाचरण से शुभारम्भ किया गया। नाटिका का मंचन श्रीमती मंन्जु जैन सेवावाले के निर्देशन में हुआ। नाटिका में मुख्य कलाकार अनीता बड़जात्या,सुमन सोगानी,विमला जैन,डॉ अनीता, ज्योति जैन,राजकुमारी पहाड़िया, मंन्जु बज सासुओं की भूमिका में थी। और बहुओं की भूमिका संगीता अजमेरा, यामिनी जैन,नम्रता जैन,नेहा पापड़ीवाल, अनीता,प्रियंका जैन ने निभाई। इस अवसर पर मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष कैलाश छाबडा, उपाध्यक्ष अरुण शाह, मंत्री राजेश बोहरा, सांस्कृतिक मंत्री पदम झांझरी ने पुलक मंच गायत्री नगर के पदाधिकारियों का सम्मान किया। कार्यक्रम में मंदिर प्रबंध समिति के पदाधिकारी गण, पुलक मंच की राष्ट्रीय महामंत्री बीना टोंग्या, अखिल भारतवर्षीय दिगंबर जैन युवा परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री उदयभान जैन के साथ समाज के गणमान्य महानुभव एवं सैकड़ों की संख्या में महिला व पुरुष, बालक बालिकाएं शामिल हुए जिन्होंने कार्यक्रम की भूरि भूरि प्रशंसा की। अंत में सभी का आभार,एवं धन्यवाद ज्ञापित कर भाग लेने वालों को पुरस्कार प्रदान किये गए। कुशाग्री जैन ने निरंतराय आहार होने पर खुशी में भजन पर नृत्य प्रस्तुत भी किया।

महिला जागृति संघ द्वारा सुगन्ध दशमी पर्व पर 'उपसर्ग विजेता तीर्थंकर पार्श्वनाथ' की भव्य सजीव झांकी आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

महिला जागृति संघ की तरफ से बड़े दीवान जी के मन्दिर प्रांगण में दशलक्षण महापर्व पर सुगन्ध दशमी पर्व पर ''उपसर्ग विजेता तीर्थंकर पार्श्व नाथ'' की भव्य सजीव झांकी लगाई जा रही है। जिसमें बताया जाएगा किस तरह से भगवान पार्श्वनाथ उपसर्ग सहे और तीर्थंकर बने । अध्यक्षा श्रीमती शशी जैन व मंत्री सरोज जैन (बेला) ने बताया की झाकी में संयोजक राजू सर शशि खिन्दूका, अनिला अंजु निर्मला, शारदा, रुबी का भी पूर्ण सहयोग मिला। झाकी के उद्घाटन कर्ता श्रीमती आशा गर्ग दीप प्रज्वलन कर्ता श्रीमती संगीता गंगवाल, सुधा लुहाडिया दीपिका व साधना काला मुख्य अतिथि रहेगी।

ठगे जाने पर दुःख मनाने वाले ठगने पर खुश होता है ये ही पाप है: मुनि पुंगव श्रीसुधासागर जी महाराज

श्रावण संस्कार शिविर में देश के अठारह राज्यो के प्रतिनिधि सम्मिलित हो रहें हैं

आगरा. शाबाश इंडिया

आप किसी को ठगकर बहुत खुश होते हैं घर पहुंच कर मिठाईयां बांटते हैं तो ठगे जाने पर आप रो पड़ते हैं ये जो भेद है यही सत्यार्थ से हमारे सामने है ये सत्य धर्म को हमे समझना होगा आपके कोई मात्र पांच सौ रुपए ठग ले तो आप उसे इतनी बद्दुआ देते हैं ये मर जायें इसके आग लग जाये ना मालूम क्या क्या और आपकी सोने चांदी की दुकान है जब आपके यहां कोई आता है और आप पचास हजार के गहने एक लाख रुपए में देते हैं और खुशियां मनाते हैं तो आपको अपने साथ हुई ठगी याद नही आती आपके पांच सौ रुपए ठगे गए तो आपने सौ गाली दी और आपने पचास हजार रुपए ठग लिए तो आपको कितनी गाली मिलेगी आप खुद ही हिसाब लगा लें हमें सत्य को समझना होगा अपने करने पर खुश होते हैं और वही व्यवहार हमारे साथ हो जाये तो दुखी होते हैं सत्य को सत्य के रूप में स्वीकार करना चाहिए उक्त आशय के उद्गार हरि पर्वत आगरा में विशाल श्रावक संस्कार शिविर की धर्मसभा को संबोधित करते हुए मुनि पुगंव श्री सुधासागरजी महाराज ने व्यक्त किए।

हजारों दीपों से होगी धूप दशमीं पर महाआरती

मध्यप्रदेश महासभा संयोजक विजय धुर्रा ने बताया कि श्रावक संस्कार शिविर में जीवन को सुधारने के सूत्र मुनि पुंगव श्रीसुधासागरजी महाराज द्वारा दिए जा रहे हैं इस शिविर में समाजिक कुरीतियों के खिलाफ शंखनाद किया जा रहा है वर्षो से जो कुरितियां चहे मृत्यु भोज हो दहेज प्रथा है डकोस पंथी वातो के सुधार किए जा रहे हैं इसके साथ ही अन्य समाज सुधार की शिक्षा दी जा रही है इसके साथ ही धूप दशमीं के दिन दस हजार दीपों से महाआरती की जायेगी इस समारोह का सीधा प्रसारण जिनवाणी सुधा कलश पुण्योदय आदिनाथ चैनल के माध्यम से प्रसारण किया जाएगा।

सत्य बोलने वालों से कभी झूठ मत वोलना

उन्होंने कहा कि सज्जन पुरुषो को मारने का भाव मत करना जो किसी को मारने का भाव तक नहीं करता सत्य वोलने वालों से कभी झूठ मत वोलना नहीं तो तीन लोक में तुम्हारे लिए कोई वचाने वाला नहीं मिलेगा उनसे कभी माया चारी मत करना झूठ मत वोलना जो सत्य धर्म का पालन करते हो रिषभ देव ने तलवार दी तलवार चलेगी तो कोई ना कोई जरूर मरेगा अधर्म और अधर्मी का नाश हो इसलिए रिषभ देव ने आपके हाथ में तलवार दी इससे धर्म और धार्मत्मा की रक्षा करने के लिए तो क्षत्रीय के हाथ रिषभ देव ने तलवार दी वे सब जानते थे तव ही तो क्षत्रीय को तलवार सौंपी। तलवार का उपदेश दुष्ट जनों को सजा देने के लिए ही तो किया गया था ।

मायाचारी करने वाले को दुःख का सामान करना पड़ता है

उन्होंने कहा कि शास्त्रो के अनुसार वोलना

चाहिए पुराण भरे पड़े हैं दुश्मन क्या क्या षड्यंत्र करता है पता नहीं मन्दिर में भगवान के सामने बैठ कर भी दुश्मन को मारने की प्रार्थना कर रहा है उदाहरण आपके सामने है रावण उपवास कर राम चन्द्र को मारने के लिए भगवान की भक्ति करता है इसलिए तो कहा गया कि दुश्मन को दुश्मन ही समझना चाहिए। हर व्यक्ति चाहता हैं कि मुझे झूठ सुनने से नफरत हैं,झूठ बोलने से नफरत नहीं करता है,मायाचारी कोई नही करे लेकिन स्वयं मायाचारी कर रहे हैं। यहि गलत है स्वयं के प्रति करना गलत हैं स्वयं दुसरे के प्रति करे तो गलत नही ये मान्यता मिथ्यादृष्टी है।आदमी स्वयं ठगता है तो आनंद आता है यदि उसको कोई ठगे तो तो स्वयं गुस्सा होता हैं। ठगे जाने पर व ठगने पर खुशी व दुख होता हैं मे ही पाप है इस दौरान कमेटी के अध्यक्ष प्रदीप जैन ढठउ नीरज जैन (जिनवाणी)- महामंत्री निर्मल कुमार जैन मोट्या-कोषाध्यश मनोज कुमार बाकलीवाल- मुख्य संयोंजक पी०एल० बैनाडा कार्याध्यक्ष हीरालाल बैनाड़ा - स्वागतध्यक्ष जगदीश प्रसाद जैन - ललित जैन (डायमन्ड)अमित बाबी राजेश जैन गया बाई के जैन श्री विमल मारसंस भोलानाथ सिंघई जितेन्द्र कुमार जैन शिखर चंद सिघई विशेष रूप से उपस्थित थे।

शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर के मुखारबिंद से श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव, तैयारियां हुई पूरी

देवरिया बालाजी से मोदी ग्राउण्ड तक भव्य कलश शोभायात्रा से होगा महोत्सव का आगाज

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाडा। विश्व शांति सेवा समिति के तत्वावधान में शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर जी महाराज के मुखारबिंद से रविवार से शुरू होने वाली सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव कथा की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। हनुमान टेकरी के महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में आरसी व्यास कॉलोनी स्थित मोदी ग्राउण्ड पर प्रतिदिन दोपहर एक से शाम 5 बजे तक होने वाली कथा का आगाज रविवार सुबह 11.15 बजे देवरिया बालजी से कथास्थल तक विशाल कलश शोभायात्रा के साथ होगा। इसमें मातृशक्ति के साथ समाज के हर वर्ग के भक्तगण भी शामिल होंगे। आयोजन समिति के अध्यक्ष आशीष पोरवाल ने बताया कि कथा स्थल पर भव्य विशाल वाटरप्रूफ डोम का निर्माण कराया गया है। इसमें बैठकर हजारों भक्तगण श्रीमद् भागवत कथा का श्रवण कर सकेंगे। समिति के संयोजक श्याम सुन्दर नौलखा ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव को लेकर उत्साह का माहौल है ओर कथा श्रवण के लिए आने वाले भक्तों को कोई परेशानी नहीं आए इसके लिए सभी जरूरी प्रबंध किए गए है। समिति के महासचिव एडवोकेट राजेन्द्र कचोलिया ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव आयोजन को सफल बनाने के लिए महंत बनवारीशरण काठियाबाबा के सानिध्य में व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई है। आयोजन को सफल बनाने के लिए विभिन्न समितियों का गठन करने के साथ अलग-अलग दायित्व सौंपे गए है। समिति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष एडवोकेट हेमेन्द्र शर्मा ने कहा कि आयोजन स्थल पर वाहन पार्किंग सहित सभी जरूरी सुविधाओं का प्रबंध किया गया है। समिति के कोषाध्यक्ष राकेश दरक, सचिव धर्मराज खण्डेलवाल, सह सचिव बालमुकुंद सोनी, संयुक्त सचिव दिलीप काष्ट सहित सभी पदाधिकारी व सदस्य आयोजन को सफल बनाने के लिए तैयारियों में लगे हुए है। सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा महोत्सव के तहत प्रतिदिन अलग-अलग प्रसंगों का वाचन व्यास पीठ से धर्मरत्न शांतिदूत श्री देवकीनंदनजी ठाकुर के मुखारबिंद से होगा। इसके तहत पहले दिन 24 सितम्बर को श्रीमद् भागवत महात्मयम्, व्यास नारद संवाद, कुंती स्तुति प्रसंग का वाचन होगा। इसी तरह 25 सितम्बर को कपिल देवहूति संवाद, सती चरित्र, ध्रुव चरित्र, 26 सितम्बर को जड़भरत संवाद, नृसिंह अवतार, वामन अवतार, 27 सितम्बर को श्रीराम एवं श्रीकृष्ण जन्मोत्सव, 28 सितम्बर को भगवान श्रीकृष्ण की बाललीला, गोवर्धनपूजा, छप्पन भोग, 29 सितम्बर को उद्धव चरित्र, रूक्मिणी विवाह, रास पंचाध्यायी एवं 30 सितम्बर को द्वारिका लीला, सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष प्रसंगों का वाचन किया जाएगा एवं व्यास पूजन पूर्णाहुति होंगी।

कलाकुंज जैन मंदिर में दशलक्षण पर्व के पांचवें दिन मनाया भगवान पुष्पदंत का निर्वाण कल्याणक महोत्सव

आगरा. शाबाश इंडिया

सकल दिगंबर जैन समाज कलाकुंज के तत्वावधान में मारूति स्टेट स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मन्दिर कलाकुंज में दसलक्षण महापर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा है जिसमें भक्तों ने 23 सितम्बर को पांचवे दिन उत्तम सत्य धर्म का पालन कर विधिवत पूजन किया। इस दौरान वात्सल्य सेवा समिति के तत्वाधान में भक्तों ने जैन धर्म के 9 वें तीर्थंकर श्री पुष्पदन्त भगवान का मोक्ष कल्याणक महोत्सव के अवसर पर विधानचार्य अंशुल जैन शास्त्री के कुशल निर्देशन में निर्वाण काण्ड का वाचन कर पुष्पदंत भगवान के समक्ष निर्वाण लाडू अर्पित किया। महोत्सव में मौजूद सभी भक्तों ने संगीतमय मधुर भजनों पर प्रभु के प्रति भक्ति नृत्य किया। पंडित अंशुल जैन ने उत्तम सत्य धर्म पर कहा कि ऋण का थोड़ा,घाव का छोटा, आग को तनिक और कषाय को अल्पमान कर बैठ जाना एक बहुत बड़ी भूल है। जो मोह मुक्त होकर सत्य को अंगीकार करते हैं उनका आत्मा से मिलन होता है,क्योंकि सत्य आत्मा का सौंदर्य है। असत्य तो कागज की नौका के समान है जो बड़ी मोहक एवं आकर्षक दिखाई पड़ती है। जो कभी भी जीवन को पार नहीं करा सकती। जिसने एक बार सत्य को पा लिया वास्तव में उसके लिए मोक्ष के द्वार खुल जाते हैं। रात में भक्तों ने श्रीजी की मंगल आरती की इस अवसर पर अध्यक्ष रविंद्र जैन, विकास कुमार जैन सुरेश चन्द जैन, दीपांशु जैन,राजा जैन उमेश जैन,राजेंद्र जैन,विवेक जैन अजय जैन,राजीव जैन,रश्मि जैन,करुणा जैन,पुष्पा जैन, समस्त कलाकुंज सकल जैन समाज के लोग बड़ी संख्या में मौजूद रहे।

रिपोर्ट:
मीडिया प्रभारी शुभम जैन

नेट थिएट पर सितार वादन

सितार पर भारत रत्न पं.रवि शंकर के राग परमेश्वरी ने समां बांधा

जयपुर । नेट थिएट कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज युवा सितार वादक नरेंद्र कुमार योगी ने एकल सितार वादन कर अपनी उंगलियों का जादू बिखेरा। नेट थिएट के राजेंद्र शर्मा राजू ने बताया कि सितार के युवा कलाकार नरेन्द योगी ने सुप्रसिद्ध सितार वादक भारत रत्न पंडित रवि शंकर की राग परमेश्वरी के स्वर साधे तो दर्शक वाह वाह कर उठे । इस के बाद उन्होंने आलाप जोड़ के बाद एकताल की बंदीश मे सुन्दर ताने व लयकारी कर अपने वादन का सुन्दर प्रर्दशन किया। और अंत में तीन ताल मे द्रुत गत मे झाला बजाकर दर्शको की दाद पाई। नरेंद्र के साथ तबले पर उभरते युवा तबला वादक जेयान हुसैन के तबले के साथ सितार की जुगलबन्दी सुन कर दर्शकों ने खूब सराहा। कार्यक्रम में स्वदेश रसोई के निदेशक भूपेंद्र सिंह शेखावत ने कलाकारों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम संयोजक नवल डांगी और गुलजार हुसैन, कैमरा और लाइट्स मनोज स्वामी, संगीत सागर गढ़वाल, मंच सज्जा अंकित शर्मा नोनू और जिवितेश शर्मा की रही '

"मरुभूति से पार्श्वनाथ की यात्रा (कमठ का उपसर्ग)" नृत्य नाटिका का भव्य मंचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। दसलक्षण पर्व के अवसर पर श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर, थड़ी मार्केट अग्रवाल फार्म, मानसरोवर जयपुर में 22 सितंबर को ''मरुभूति से पार्श्वनाथ की यात्रा (कमठ का उपसर्ग)'' नृत्य नाटिका की बहुत ही शानदार प्रस्तुति दी गई। नृत्य नाटिका का निर्देशन व मंच संचालन श्री पार्श्वनाथ महिला मंडल की मंत्री श्रीमती नीता जैन द्वारा किया गया। अंत में महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती भंवरी देवी जैन ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

जयकारों के साथ जैन धर्म के नवें तीर्थंकर भगवान पुष्पदंत नाथ का मनाया मोक्ष कल्याणक

शाबाश इंडिया. अमन जैन कोटखावदा

जयपुर। दिगम्बर जैन धर्मावलंबियों के चल रहे दशलक्षण महापर्व में रविवार को वीतराग धर्म का उत्तम संयम लक्षण मनाया जावेगा। इस मौके पर सायकांल सुगन्ध दशमी मनाई जावेगी। इस मौके पर श्रद्धालु मंदिरों में अग्नि पर चन्दन की धूप खेवेगें। इससे पूर्व शनिवार को वीतराग धर्म का उत्तम सत्य लक्षण भक्ति भाव से मनाया गया। इस मौके पर कस्बें सहित आसपास के मंदिर परिसर जयकारों से गुंजायमान हो उठे। राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि दिगम्बर जैन मंदिरों में प्रातः श्री जी के अभिषेक, शांतिधारा के बाद दशलक्षण धर्म की विधान मंडल पर अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। इस मौके पर संतों एवं विद्वानों ने उत्तम सत्य लक्षण पर प्रवचन देते हुए बताया कि 'कठिन वचन मत बोल, पर निंदा अरु झूठ तज। सांच जवाहर खोल, सतवादी जग में सुखी।। उत्तम सत्य बरत पालीजै, पर विश्वासघात नहिं कीजै।। सांचे झूठे मानुष देखो, आपन पूत स्वपास न पैखो।। अर्थात मनुष्य को सत्यवादी होना चाहिए। उसे दूसरों के साथ विश्वासघात नहीं करना चाहिए। किसी को कड़वे वचन मत बोलो।

अम्बाह में 'धार्मिक तंबोला' कार्यक्रम ने मचाई धूम

जैन युवा मित्र मंडल ने जागरूकता का नया आयाम दिखाया

मनोज नायक. शाबाश इंडिया।

अम्बाह। जैन युवा मित्र मंडल ने एक अनूठा और अद्वितीय कार्यक्रम 'धार्मिक तंबोला' का आयोजन किया, जिसने धर्म और मनोरंजन को मिलाकर नए आयामों तक पहुंचाया। खेल खेल में जैन धर्म की गिनती जैसे - आत्मा 1 होती है, जीव 2 होते है, योग 3 होते है, गतियाँ 4 होती है से लेकर जम्बूदीप की कुल नदियाँ 90 है तक कार्यक्रम में उपस्थित कई सैकड़ा लोगो को जैन गिनती के माध्यम से सीखने का मौका मिला। कार्यक्रम में, जैन समाज के युवा प्रवक्ता, मंच संचालनकर्ता मितुल शाहबजाज ने धर्मिक ज्ञान को तंबोला के रूप में प्रस्तुत किया, जिसमें जैन धर्म के अमूल्य मूल्यों का मनोरंजनपूर्ण संवाद हुआ। प्रतिस्पर्धा में, हर्ष जैन ने प्रथम पुरस्कार जीता, जिसमें मोबाइल फोन या सम्मेद शिखर यात्रा का इनाम था, और कई होम डेकॉर बस्तुओं का भी वितरण किया गया। इस कार्यक्रम में शुभम्-जैन, मयंक जैन, रितिक जैन, सुजल जैन, और शातुल जैन जैसे जज थे,एवं जैन युवा मित्र मंडल के परमसंरक्षक आकाश जैन सराफ ने भी अपनी विशेष उपस्थिति दी। 'धार्मिक तंबोला' ने सिर्फ मनोरंजन के साथ ही जैन धर्म के महत्वपूर्ण सिद्धांतों को जानकारी का एक नया तरीका प्रदान किया है, और युवा पीढ़ियों को अपने धर्म के महत्व को समझने का एक सुंदर मौका दिलाया है। इस कार्यक्रम ने समाज में धार्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है, और युवा पीढ़ियों को अपने धर्म के महत्व को समझाने का एक अनूठा और प्रेरणादायक मौका प्रदान किया है। समाज के लोगों ने मित्र मंडल से इसी प्रकार के कार्यक्रम हर बार कराने का अनुरोध किया।

जयपुर देव फेस्टिवल 'गाता रहे मेरा दिल' का आयोजन आज

जयपुर. शाबाश इंडिया

अंतरराष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन जयपुर जिला एवं देवानंद सोसायटी के संयुक्त तत्वावधान में जयपुर देव फेस्टिवल रविवार को शाम 5.30 बजे से झालाना इंस्टीट्यूशनल एरिया स्थित राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित होगा। आयोजन की सारी तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। कार्यक्रम चेयरमैन रोटेरियन सुधीर जैन गोधा ने बताया कि कार्यक्रम में मुंबई, अहमदाबाद के प्रसिद्ध गायक दिल्ली के डोरे मि बैंड के सहयोग से देवानंद को समर्पित 30 गानों की प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम समन्वयक सीए संजय पाबुवाल एवं अनुराग दीक्षित ने बताया कि कार्यक्रम में कलानेरी संस्था के कलाकार देवानंद के जीवन व फिल्मों पर बनाए गए पोट्रेट की आर्ट गैलरी भी लगाई जाएगी। इस दौरान आर्च कॉलेज ऑफ डिजाइन एंड बिजनेस के स्टूडेंट्स की ओर से देवानंद को समर्पित फैशन शो का भी आयोजन होगा।

सुगंध दशमी पर आज सजेगी जैन ग्रंथों पर आधारित जैन रामायण की झांकी

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुगंध दश मी के अवसर पर टोंक रोड स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर जय जवान कॉलोनी में जैन ग्रंथों पर आधारित जैन रामायण की भव्य सजीव झांकी रविवार को शाम 6 बजे से सजाई जाएगी। जैन ग्रंथों पर आधारित प्रसंगों के साथ भगवान राम और राम के वंशज जैन धर्म के होंने का इतिहास साझा किया जाएगा। मंदिर प्रबंध समिति के अध्यक्ष अशोक जैन नेता व मंत्री राजा मेहंदीवाला ने बताया कि इस झांकी के लिए बच्चों ने बडी बारीकी से हर भूमिका और वाचन को कंठस्थ किया है। यह झांकी खास होंने के साथ ही लोगों के लिए प्रेरणादायी होगी। इस मौके पर झांकी के उद्घाटनकर्ता समाजश्रेष्ठी सुशील कुमार रानीवाला परिवार, दीप प्रज्जवलनकर्ता रतन लाल कटारिया व मुख्य अतिथि जितेन्द्र-रीटा गंगवाल होंगे। उन्होंने बताया कि इस झांकी का मुख्य संयोजक संदीप-नीतू कटारिया व रजत-पलक जैन को बनाया गया है। इसके अलावा मृदुला पाटनी, सुमन ठोलिया, मीनू बगड़ा, श्रद्धा कटारिया, कीर्ति जैन, मेहा बख्शी, रूपम लुहाड़िया, बरखा काला, सुरुचि जैन, सोनल जैन, पूजा जैन, प्रियंका चैधरी, राषि बगड़ा, दीप्ति जैन, कविता जैन व नेहा अजमेरा को संयोजक बनाया है। श्री पार्श्व युवा मंडल के अध्यक्ष निखलेश कटारिया व मंत्री अनुज बाकलीवाल ने बताया कि झांकी के लिए रुपिन काला, विशाल जैन, गौरव गोधा, नवीन पाटनी, पुष्पेन्द्र पाटनी, सिद्धांत काला, निहित पांडया, सौरभ अजमेरा, राजीव चैकड़ायत, लव लुहाड़िया, मोहित जैन व आलोक जैन को सह-संयोजक नियुक्त किया गया हैं।

सुगन्ध दशमी पर 25 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में सजेगी झांकियां

राजस्थान जैन युवा महासभा करेगी पुरस्कृत

जयपुर. शाबाश इंडिया

सुगन्ध दशमी के मौके पर रविवार, 24 सितम्बर को शहर के दिगम्बर जैन मंदिरों में जैन दर्शन, जैन तीर्थंकरों के जीवन चरित्र पर आधारित ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां सजाई जावेगी । हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर द्वारा सभी झांकियों का अवलोकन किया जाकर जोनवार पुरस्कृत किया जाएगा। जानकारी देते हुए राजस्थान जैन युवा महासभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन 'कोटखावदा' ने बताया कि रविवार 24 सितम्बर को सुगन्ध दशमी के मौके पर मंदिरों में श्रद्धालुगणों द्वारा मंदिरों में अष्ट कर्म के नाश करने के लिए अग्नि पर धूप खेई जाएगी । शहर के 25 से अधिक दिगम्बर जैन मंदिरों में जैन दर्शन, जैन तीर्थंकरों के जीवन चरित्र पर आधारित ज्ञान वर्धक तथा संदेशात्मक झांकियां सजाई जाएगी। मंदिरों पर बिजली की विशेष सजावट की जाएगी। युवा महासभा के सिटी सम्भाग में मनिहारो का रास्ता स्थित श्री दिगम्बर जैन मंदिर बडा दीवान जी में महिला जागृति संघ द्वारा 'उपसर्ग विजेता तीर्थकर पार्श्वनाथ', घनोई जैन मंदिर में इण्डिया से भारत की ओर, मोहनबाडी के आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में तीर्थ बचाओ-धर्म बचाओ, जवाहर नगर - मालवीय नगर सम्भाग में सिद्धार्थ नगर के श्री दिगम्बर जैन मंदिर महावीर स्वामी (खण्डाकार) में 'सिद्क्षेत्र मांगीतुंगी' , मालवीय नगर सेक्टर 10 दिगम्बर जैन मंदिर में यक्ष रक्षित चैत्यालय, जय जवान कालोनी के दिगम्बर जैन मंदिर में जैन रामायण, बापूनगर के गणेश मार्ग स्थित श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन चैत्यालय में 'भरत का भारत,' ज्ञान तीर्थ टोडरमल स्मारक ट्रस्ट में 'षट लेश्या', जवाहर नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 'सिद्ध क्षेत्र मांगीतुंगी', आदर्श नगर के मुल्तान दिगम्बर जैन मंदिर में 'चालो रे पावापुरी चालो' तथा जनता कालोनी जैन मंदिर में 'चन्द्रमा पर अकृत्रिम चैत्यालय के चन्द्र यान के दर्शन' की झाकी सजाई जाएगी। मानसरोवर -टौक रोड सम्भाग में मुहाना मण्डी रोड पर श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर केसर चौराहा जय नगर में 'देख तमाशा लकड़ी का', एस एफ एस स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में आत्मा से परमात्मा की ओर', राधानिकुंज के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 'द्रोणागिरी' तीर्थ की सजीव झांकी तथा मांगलियावास के मंदिर में अतिशय क्षेत्र गोलाकोट ' की झांकी सजाई जावेगी। झोटवाडा सम्भाग में, झोटवाड़ा के श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में 'कर्म की विचित्र ता', पटेल नगर के श्री चन्द्र प्रभू दिगम्बर जैन मंदिर में '' , विवेक विहार के मंदिर में भगवान आदिनाथ की मोक्ष स्थली कैलाश मानसरोवर पर्वत, पार्श्वनाथ कालोनी में नेमी-राजुल का वैराग्य ' , डीसीएम अजमेर रोड पर 'जैन धर्म पर उपसर्ग 'की झांकी सजाई जावेगी ।